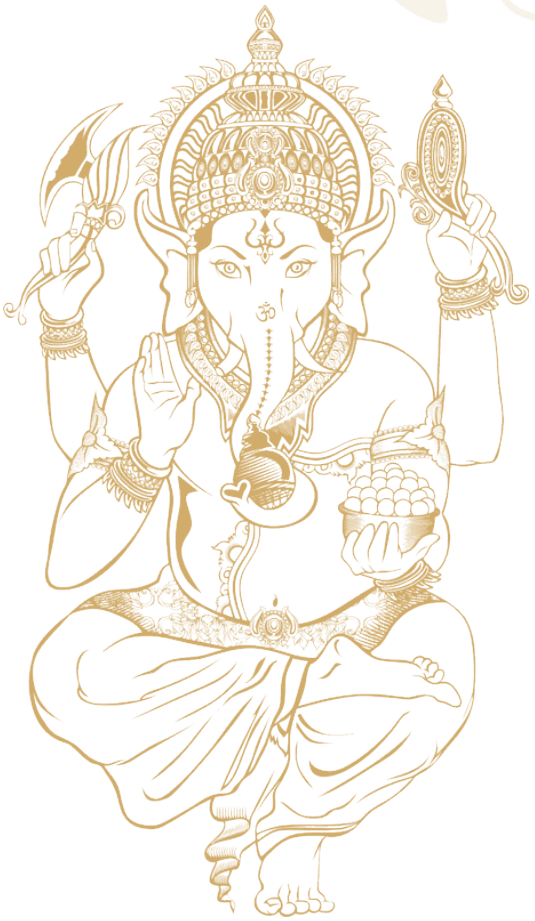

e

28 Oct 1997

09:25 PM

Rai Bareilly

Model: web-freekundliweb

Order No: 121945502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/10/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:25:00 घंटे**
इष्ट	38:03:43 घटी
स्थान	**Rai Bareilly**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:16:00 उत्तर
रेखांश	81:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:20:04 घंटे
वेलान्तर	00:16:14 घंटे
साम्पातिक काल	23:48:12 घंटे
सूर्योदय	06:11:30 घंटे
सूर्यास्त	17:25:49 घंटे
दिनमान	11:14:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:26:20 तुला
लग्न के अंश	14:39:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वैधृति
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:39:43	321:07:02	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			तुला	11:26:20	00:59:56	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			कन्या	11:01:33	11:51:20	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	27:33:12	00:44:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	तुला	20:50:23	01:33:38	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मक	18:57:12	00:03:59	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	28:14:36	01:02:55	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि	व		मीन	21:40:04	00:04:18	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:11:47	00:02:35	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:11:47	00:02:35	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:59:50	00:00:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:27:43	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:30:07	00:02:08	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	02:57:14	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:31

लग्न-चलित

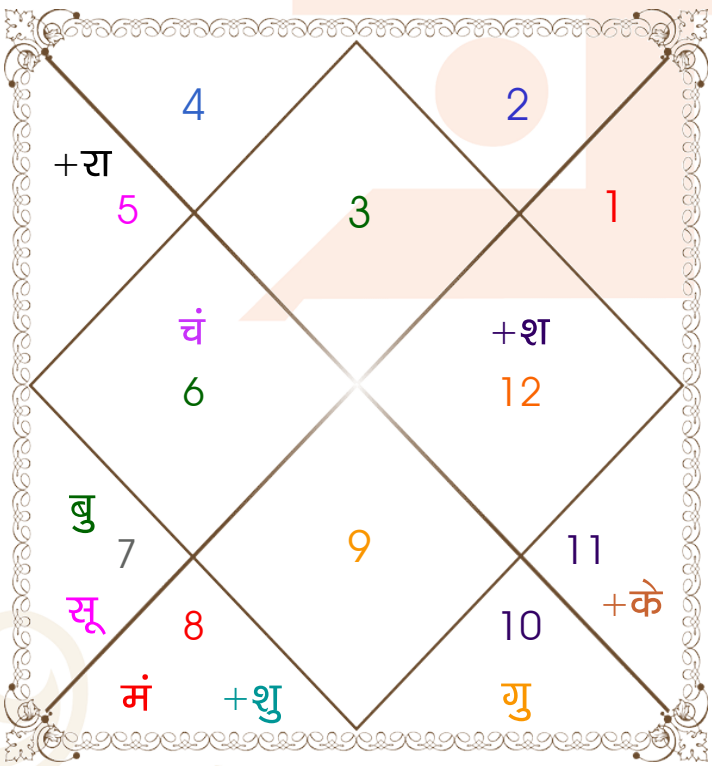

चन्द्र कुंडली

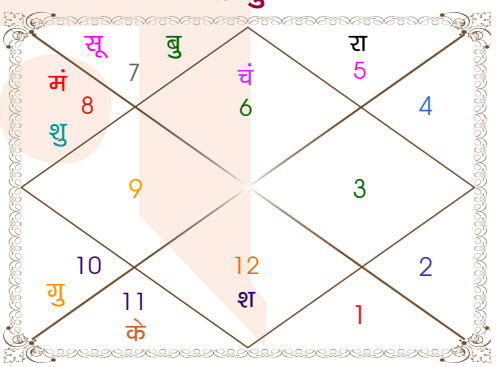

नवमांश कुंडली

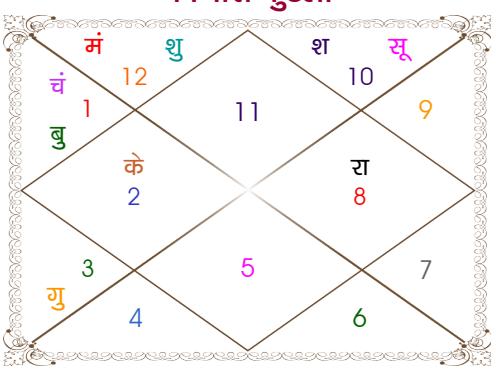

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 2 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/10/1997		21/01/2007		21/01/2014		21/01/2032		21/01/2048	
21/01/2007		21/01/2014		21/01/2032		21/01/2048		21/01/2067	
चंद्र	21/11/1997	मंगल	19/06/2007	राहु	03/10/2016	गुरु	10/03/2034	शनि	24/01/2051
मंगल	22/06/1998	राहु	07/07/2008	गुरु	26/02/2019	शनि	21/09/2036	बुध	03/10/2053
राहु	22/12/1999	गुरु	12/06/2009	शनि	02/01/2022	बुध	28/12/2038	केतु	12/11/2054
गुरु	22/04/2001	शनि	22/07/2010	बुध	22/07/2024	केतु	03/12/2039	शुक्र	12/01/2058
शनि	21/11/2002	बुध	19/07/2011	केतु	09/08/2025	शुक्र	03/08/2042	सूर्य	24/12/2058
बुध	21/04/2004	केतु	16/12/2011	शुक्र	09/08/2028	सूर्य	23/05/2043	चंद्र	25/07/2060
केतु	21/11/2004	शुक्र	14/02/2013	सूर्य	04/07/2029	चंद्र	21/09/2044	मंगल	03/09/2061
शुक्र	22/07/2006	सूर्य	22/06/2013	चंद्र	03/01/2031	मंगल	28/08/2045	राहु	10/07/2064
सूर्य	21/01/2007	चंद्र	21/01/2014	मंगल	21/01/2032	राहु	21/01/2048	गुरु	21/01/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/01/2067		21/01/2084		21/01/2091		22/01/2111		21/01/2117	
21/01/2084		21/01/2091		22/01/2111		21/01/2117		00/00/0000	
बुध	19/06/2069	केतु	18/06/2084	शुक्र	22/05/2094	सूर्य	11/05/2111	चंद्र	29/10/2117
केतु	16/06/2070	शुक्र	18/08/2085	सूर्य	23/05/2095	चंद्र	10/11/2111		00/00/0000
शुक्र	16/04/2073	सूर्य	24/12/2085	चंद्र	20/01/2097	मंगल	17/03/2112		00/00/0000
सूर्य	20/02/2074	चंद्र	25/07/2086	मंगल	23/03/2098	राहु	09/02/2113		00/00/0000
चंद्र	23/07/2075	मंगल	21/12/2086	राहु	23/03/2101	गुरु	28/11/2113		00/00/0000
मंगल	19/07/2076	राहु	09/01/2088	गुरु	22/11/2103	शनि	10/11/2114		00/00/0000
राहु	05/02/2079	गुरु	15/12/2088	शनि	22/01/2107	बुध	16/09/2115		00/00/0000
गुरु	13/05/2081	शनि	24/01/2090	बुध	22/11/2109	केतु	22/01/2116		00/00/0000
शनि	21/01/2084	बुध	21/01/2091	केतु	22/01/2111	शुक्र	21/01/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।